भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3286
दिनांक 12 मार्च, 2026

ऑयल बॉन्ड देनदारियों और पुनर्भुगतान की स्थिति

†3286. श्री राजू बिष्ट :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2005-06 से 2009-10 तक जारी किए गए ऑयल बॉन्ड की कुल राशि कितनी है;
(ख) मार्च 2026 तक ऑयल बॉन्ड पर अर्जित व्याज की कुल राशि कितनी है;
(ग) वर्ष 2014 से 2026 के बीच परिपक्व हुए ऑयल बॉन्ड की कुल संख्या और उनकी राशि कितनी है;
(घ) सरकार द्वारा वर्ष 2014 से 2026 तक ऑयल बॉन्ड पर भुगतान किए गए ब्याज की कुल राशि कितनी है; और
(ङ) सरकार द्वारा वर्ष 2014 और 2026 के बीच मूलधन और व्याज सहित ऑयल बॉन्ड का कुल कितना पुनर्भुगतान किया गया है और क्या अभी भी कोई ऑयल बॉन्ड भुगतान के लिए शेष हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क): सरकार द्वारा वर्ष 2005-06 से 2009-10 के दौरान जारी किए गए तेल बॉन्डों की कुल राशि 1,48,187.30 करोड़ रुपये थी।

(ख): मार्च 2026 तक इन तेल बॉन्डों पर कुल ब्याज 1,70,698.79 करोड़ रुपये है।

(ग): जारी किए गए कुल तेल बॉन्डों में से 14 तेल बॉन्ड, जिनकी राशि 1,34,423.17 करोड़ रुपये है, वर्ष 2014 से 2026 की अवधि के दौरान परिपक्व हुए, जिसमें दिनांक 23.03.2026 और 29.03.2026 को परिपक्व होने वाले दो तेल बॉन्ड शामिल हैं।

(घ): वर्ष 2014 और 2026 के बीच तेल बॉन्डों पर सरकार द्वारा भुगतान किया गया कुल ब्याज 1,01,945.11 करोड़ रुपये है।

(ड.): वर्ष 2014-2026 की अवधि के दौरान सरकार द्वारा तेल बॉन्डों के लिए किया गया कुल पुनर्भुगतान, जिसमें मूलधन और ब्याज दोनों शामिल हैं, 2,36,368.28 करोड़ रुपये है (मूलधन: 1,34,423.17 करोड़ रुपये; ब्याज: 1,01,945.11 करोड़ रुपये)। इसमें 8.00% जीओआई स्पेशल बॉन्ड वर्ष 2026 (10,000 करोड़ रुपये) और 8.40% जीओआई स्पेशल बॉन्ड वर्ष 2026 (4,971 करोड़ रुपये) शामिल हैं, जो दिनांक 23.03.2026 और 29.03.2026 को परिपक्व हो रहे हैं। इसके बाद कोई भी तेल बॉन्ड बकाया नहीं है।

*****